THE NARRATIVE

DECODING COMMUNISM

WWW.THENARRATIVEWORLD.COM

THE NARRATIVE

DECODING COMMUNISM

(जाने कौन है गौतम नवलखा)

- कथित सामाजिक कार्यकर्ता गौतम नवलखा द ई-कॉनॉमिक एवं पोलिटिकल वीकली जैसे जर्नल्स का संपादक रह चुका है
- राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (एनआईए) के आरोप-पत्र के अनुसार नवलखा प्रतिबंधित माओवादी संगठन भाकपा माओवादी (सीपीआई माओइस्ट) का सक्रिय सदस्य है
- नवलखा को संगठन ने शहरी क्षेत्रों में छात्रों एवं युवाओं को कथित रेवोलुशन से जोड़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी
- नवलखा ने राजधानी दिल्ली, मुंबई एवं छत्तीसगढ़ के कई युवाओं को माओवादियों के लिए लड़ने के लिए तैयार भी किया है
- गौतम नवलखा पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंट गुलाम नबी फाई के साथ भी बेहद करीबी संबंध रहे हैं
- नवलखा कश्मीरी अलगाववादियों से बेहद करीबी रूप से जुड़ा रहा है और अमेरिका में कश्मीरी अलगाववादी समुहों को संबोधित करने के अतिरिक्त अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में सार्वजनिक रूप से आतंकी बुरहान वानी का समर्थन कर चुका है
- नवलखा एल्गार परिषद माओवादी प्रकरण एवं भीमा कोरेगांव हिंसा का मुख्य षड्यंत्रकर्ता रहा है जिसको लेकर वह तलोजा जेल में बंद था
- अर्बन नक्सल्स समूह का अहम सदस्य माना जाने वाला नवलखा माओवादियों की फ्रंटल इकाई सीडीआरओ एवं पीयूओडी से भी जुड़ा रहा है, जिसे हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए जेल से निकाल कर हाउस अरेस्ट में रखा है

/tnworldofficial
/+91 7587396911
/tnworldofficial

THE NARRATIVE

DECODING COMMUNISM

स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई)
(भाग- २)

- कम्युनिस्ट विचारधारा के छात्र संघ एसएफआई की जड़े ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (एआईएसएफ) से जुड़ी रही हैं जिससे पृथक होकर वर्ष 1970 में तिरुअनंतपुरम में एसएफआई की स्थापना की गई
- एसएफआई के संस्थापक सदस्यों में से त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार भी रहे हैं जबकि कालांतर में सीताराम येचुरी एवं प्रकाश करात जैसे राष्ट्रीय स्तर के कम्युनिस्ट नेता इसके सदस्य रहे
- संगठन देश के 24 राज्यों में सक्रिय है जिसमें केरल, पश्चिम बंगाल, दिल्ली एवं हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यो में यह मजबूत स्थिति में है
- एसएफआई, जेएनयू, जाधवपुर जैसे विश्वविद्यालयों में हिन्दू विरोधी विरोध प्रदर्शनों में अग्रणी भूमिका निभाते रहा है
- केरल जैसे कम्युनिस्ट शासित प्रदेशों में एसएफआई के सदस्यों द्वारा हिन्दू धर्म के प्रतीकों एवं राष्ट्रीय विचारों को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता रहा है
- देश भर में संगठन के लगभग 4 लाख सदस्य हैं जिनके माध्यम से संगठन हिन्दू घृणा के प्रचार के साथ ही राष्ट्रवाद एवं लोकतांत्रिक मूल्यों का पुरजोर विरोध करता आया है

/tnworldofficial
/+91 7587396911
/tnworldofficial

THE NARRATIVE

DECODING COMMUNISM

(जाने कौन है प्रोफेसर आनंद तेलतुंबड़े)
(भाग- 3)

- कथित दलित विचारक, लेखक एवं आईआईटी खड़गपुर के पूर्व प्रोफेसर आनंद तेलतुंबड़े आउटलुक, तहलका एवं गौतम नवलखा से संबंधित प्रोपोगेंडा जर्नल द ई-कोनॉमिक एवं पोलिटिकल वीकली के कॉलमनिस्ट रह चुके हैं

- राष्ट्रीय अन्वेषण ब्यूरो (एनआईए) के आरोप-पत्र के अनुसार तेलतुंबड़े एल्गार परिषद माओवादी प्रकरण एवं भीमा कोरेगांव हिंसा (2017) के मुख्य आरोपियों में से एक हैं

- एनआईए के अनुसार तेलतुंबड़े प्रतिबंधित माओवादी संगठन 'कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया' (माओइस्ट) के वरिष्ठ शहरी कैडरों (अर्बन नक्सल्स) में से एक हैं जिनकी एल्गार परिषद के आयोजन में अहम भूमिका थी

- एनआईए द्वारा की गई जांच में तेलतुंबड़े भीमा कोरेगांव हिंसा से पूर्व आयोजित की गई एल्गार परिषद प्रकरण में संयोजक थे जिसकी पुष्टि कार्यक्रम के आमंत्रण पत्र पर संयोजक के रूप में उनके नाम से हुई है

- तेलतुंबड़े को इस प्रकरण में सबसे पहले 3 फरवरी वर्ष 2019 को एक दिन के लिए गिरफ्तार किया गया था जिसके उपरांत लगभग 600 बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों एवं एक्टिविस्ट्स ने पत्र लिखकर तेलतुंबड़े का समर्थन जताया था

- इसके अतिरिक्त कथित मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल समेत दर्जनों समूह समय समय पर तेलतुंबड़े की गिरफ्तारी का विरोध करते रहे हैं

- एनआईए के अनुसार माओवादियों की एमएमसी जोन के पूर्व प्रभारी एवं आनंद का भाई 50 लाख का इनामी नक्सली मिलिंद तेलतुंबड़े, आनंद से प्रभावित होकर ही पीएलजीए में भर्ती हुआ था

- अभी पिछले महीने ही आनंद तेलतुंबड़े को मुंबई उच्च न्यायालय ने जमानत पर रिहा किया है

/tnworldofficial
/+91 7587396911
/tnworldofficial

DECODING COMMUNISM

'क्रिया' CREA (क्रिएटिंग रिसोर्सेज फ़ॉर एम्पावरमेंट इन एक्शन)

(भाग- 4)

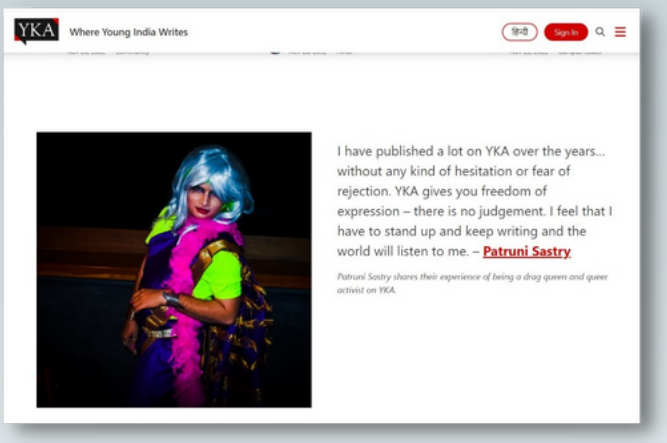

- इस तथाकथित फेमिनिस्ट समूह की स्थापना वर्ष 2002 में हुई थी जिसकी संस्थापक (गीतांजलि मिश्रा) फोर्ड फाउंडेशन में बड़े दायित्व पर रह चुकी हैं.
- 'क्रिया', फ़ोर्ड फाउंडेशन से बेहद नजदीकी से जुड़ा समूह रहा है और एशियाई महाद्वीप के अन्य देशों में भी सक्रिय है.
- इस समूह के छोटे मोटे कुल 63 अंतरराष्ट्रीय समुहों के साथ साझेदारी है जिसके माध्यम से यह क्षद्म नारीवादी का बड़े स्तर पर प्रचार प्रसार करता आया है
- समूह कथित रूप से लैंगिक समानता (जेंडर इक्वलिटी) एवं महिला अधिकारों को समर्पित संस्थान है हालांकि इसकी आड़ में यह मुख्य रूप से एलजीबीटी (होमोसेक्सयूएलिटी) के पक्ष में आवाज उठाते रहा है, समूह समाज में इसकी स्वीकार्यता के लिए युवाओं के प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित करता रहा है
- 'क्रिया', 'युथ की आवाज' नाम से एक प्रोपोगेंडा पोर्टल भी चलाता है जहां ऐसे विषयों को सामाजिक स्वीकार्यता देने समेत अन्य दुष्प्रचारित तथ्यों को प्राचीरत किया जाता रहा है।

THE NARRATIVE

DECODING COMMUNISM

ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन (AISF) (भाग- 5)

- ऑल इंडिया स्टूडेंट फेडरेशन की स्थापना वर्ष 1936 में हुई जो वर्तमान में भारत का सबसे पुरानी छात्र संघ है
- यह अनौपचारिक रूप से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की छात्र इकाई है जो वर्तमान में एआईएसएफ 10 से भी अधिक राज्यों में सक्रिय है
- एआईएसएफ कई अवसरों पर (एनआरसी - सीएए समेत) उग्र प्रदर्शनों की धुरी रहा है जिनमें वर्ष 2020 में लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) का भी विरोध शामिल है
- संगठन अपने पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार की अगुवाई में जेएनयू परिसर में राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के विवाद को लेकर भी चर्चा में रहा है
- पूर्व प्रधानमंत्री आई के गुजराल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के वर्तमान अध्यक्ष डी राजा एवं केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वासुदेवन नायर पूर्व में संगठन में सक्रिय रूप से जुड़े रहे हैं
- एआईएसएफ राजधानी दिल्ली स्थित जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया एवं दिल्ली विश्वविद्यालय में मजबूत पकड़ रखता है जहां संगठन युवाओं को कम्युनिस्ट विचार अपनाने एवं उसकी व्यवहारिक अभिपूर्ती के लिए प्रेरित करते आया है

/tnworldofficial
/+91 7587396911
/tnworldofficial